



Aditi Sanjay Shendge

30 May 2011

Model: Numerology-Report

Order No: 121442501

अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 121442501

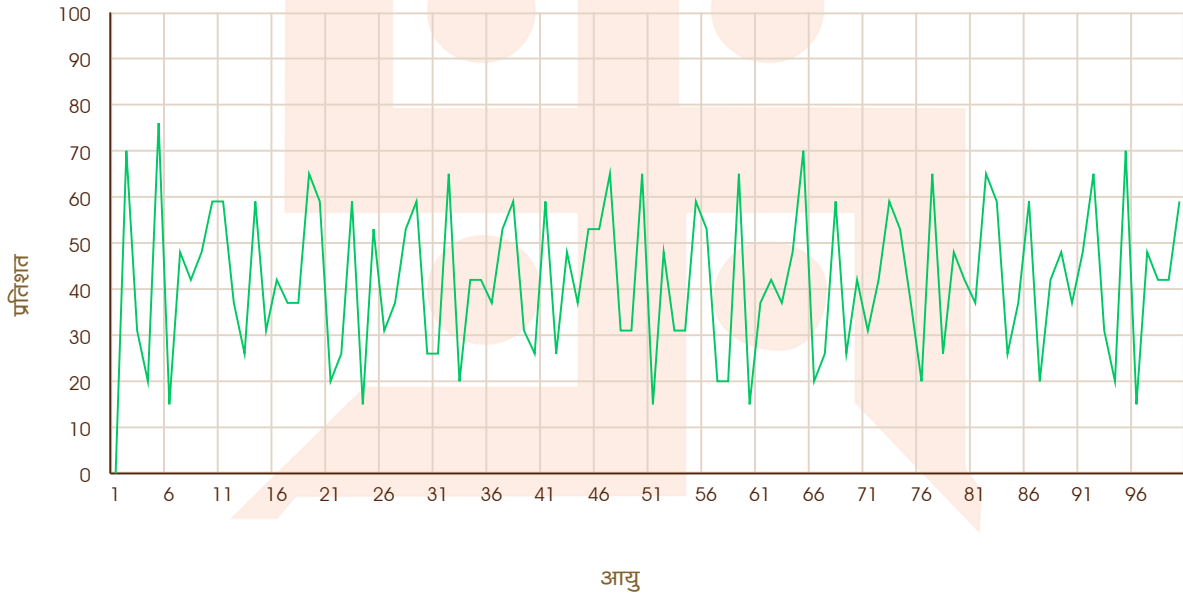
Date: 28/02/2026

नाम	Aditi Sanjay Shendge
जन्म तिथि	30/05/2011
मूलांक	3
भाग्यांक	3
नामांक	8
मूलांक स्वामी	गुरु
भाग्यांक स्वामी	गुरु
नामांक स्वामी	शनि
मित्र अंक	6, 9, 3
शत्रु अंक	4, 8
सम अंक	1, 2, 5, 7
मुख्य वर्ष	2028,2037,2046,2055,2064,2073,2082,2091
शुभ आयु	17,26,35,44,53,62,71,80
शुभ वार	मंगल, शुक्र, गुरु
शुभ मास	मार्च, जन, सित
शुभ तारीख	3, 12, 21, 30
शुभ रत्न	पुखराज
शुभ उपरत्न	सुनहला, पीला हकीक
अनुकूल देव	विष्णु
शुभ धातु	स्वर्ण
शुभ रंग	पीत
मंत्र	ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः
शुभ यंत्र	मंगल यंत्र

8	3	10
9	7	5
4	11	6

अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंको से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष 2028,2037,2046,2055,2064,2073,2082,2091

शुभ आयु 17,26,35,44,53,62,71,80

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 30 है। तीन एवं शून्य का योग तीन आपका मूलांक होता है। मूलांक तीन का स्वामी बृहस्पति ग्रह को माना गया है। शून्य शिव है, अखण्ड ब्रह्माण्ड का द्योतक है।

मूलांक तीन के स्वामी बृहस्पति के प्रभाव वश आप एक अनुशासन प्रिय तथा कठोर व्यक्ति के रूप में चर्चित रहेंगे। आपकी स्वयं अनुशासन में रहने की इच्छा रहेगी और यही अपेक्षा दूसरों से करेंगे। मातहतों के साथ आपकी कार्यशैली कठोर रहेगी। इससे आपको अधीनस्थों के विरोध, आलोचनाओं का शिकार होना पड़ेगा। आपका रुझान ज्ञान की ओर होने से आप विद्याध्यन के क्षेत्र में सफल रहेंगे। बौद्धिक स्तर के कार्य आप भलीभाँति संपादित करेंगे। कार्यों में आपकी मौलिकता झलकेगी। आपकी मुखिया बनने की महत्वाकांक्षा कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत रहेगी और दूसरों पर शासन करने में निपुण रहेंगे। धर्मक्षेत्र, कार्यक्षेत्र, समाजसेवा इत्यादि के कार्यों में आपको ख्याति प्राप्त होगी।

तर्क, ज्ञान शक्ति आपमें होने से आप मानसिक रूप से संतुलित रहेंगे तथा इसकी छाया आपके कार्यों में दृष्टि गोचर होगी। आप सामाजिक भलाई के कार्यों में रुचि लेंगे एवं कभी-भी किसी का अहित नहीं करेंगे। शून्य प्रभाववश आप शान्त, कोमल हृदय के वाणी से मधुर, सच्चाई के रास्ते पर चलने वाले धर्म-कर्म के क्षेत्र में अग्रण्य व्यक्ति के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

भाग्यांक तीन का अधिष्ठाता बृहस्पति ग्रह को माना गया है। इसको गुरु भी कहते हैं। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप धार्मिक, दानी, उदार, सच्चरित्र, ज्ञानी, विद्वान, परोपकारी, शान्त स्वभाव, सत्य पर आचरण करने वाले व्यक्ति के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगे। अनुशासन में रहना एवं दूसरों से अनुशासन की अपेक्षा करना आपका प्रमुख गुण रहेगा। आप अपने अधीनस्थों से अधिकांश कार्य अपने बुद्धि कौशल से निकलवाने में सिद्धहस्त होंगे।

सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्रों में आपकी रुचि रहेगी एवं आवश्यकता के समय समाज सेवा के कार्य से पीछे नहीं हटेंगे। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। गुरु धन-सम्पदा का दाता ग्रह है। अतः गुरु के प्रभाव से अपने कर्मक्षेत्र, रोजगार के क्षेत्र में अच्छी सम्पदा एकत्रित करेंगे। भूमि, वाहन, सम्पत्ति का अच्छा सुख प्राप्त करेंगे। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में रुचि लेंगे और ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगे जिनमें आपके अनुभव, ज्ञान का भरपूर उपयोग होता है। और आपको पूर्ण सम्मान, यश धन इत्यादि मिले।

आपका मूलांक 3 है तथा आपका भाग्यांक भी 3 है। मूलांक एवं भाग्यांक 3 का स्वामी गुरु है। मूलांक एवं भाग्यांक एक ही होने से आपके अंदर गुरु ग्रह के प्रभाव द्विगुणित हो जाएंगे एवं मूलांक तथा भाग्यांक का पूर्ण फल आपको प्राप्त होगा। आप अपने रोजगार-व्यापार के क्षेत्र में अपनी प्रमुखता स्थापित करेंगे एवं अधीनस्थों से कार्य निकलवाने में निपुण रहेंगे। अपने जीवन में आप काफी धन-संपत्ति एकत्रित करेंगे तथा भूमि, वाहन का अच्छा सुख प्राप्त करेंगे। रोजगार-व्यापार के क्षेत्र में आप एक ईमानदार व्यक्ति की हैसियत

बनाएंगे एवं सत्य के मार्ग पर चलेंगे। इस कारण थोड़े बहुत कष्टों का भी आपको सामना करना पड़ेगा, लेकिन अंत में सफलता प्राप्त करेंगे। आप ऐसे ही रोजगार का चुनाव करेंगे, जिसमें आपकी प्रमुखता रहे एवं लोग आपकी बात को मानें। आपकी सामाजिक स्थिति उच्च कोटि की रहेगी तथा लोग आपको भरपूर मान-सम्मान प्रदान करेंगे। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में भी आप उन्नतिशील रहेंगे।

आपका भाग्योदय 21 वर्ष की आयु से प्रारंभ होगा, 30 वें वर्ष पर उन्नति प्राप्त होगी तथा 39 वें वर्ष की अवस्था पर पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 3 की मित्रता 6 एवं 9 से है तथा भाग्यांक 3 की मित्रता 6 एवं 9 से है। अतः आपके जीवन में 3, 6, 9 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इनसे आपके जीवन में कुछ विशेष घटनाएं घटित होंगी।

आपका मूलांक-भाग्यांक एक ही होने से मूलांक-भाग्यांक के फलों में द्विगुणित वृद्धि होगी। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों, मास, ईस्वी सन्, या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास, वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन, या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगे, तो पाएंगे कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए मार्च, जून, सितंबर के माह विशेष घटनाक्रम वाले होंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक से भी मेल स्थापित करें तथा एक ही समय पर सभी शुभ रहें।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 3, 6, 9 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

3 . 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66, 75

6 . 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69

9 . 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार साबित होंगी।

नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

Aditi Sanjay Shendge

1+4+1+4+1 3+1+5+1+1+1 3+5+5+5+4+3+5

नाम का योग : 53 नामांक : 8

आपके नाम का कुल योग तिरपेन है। पाँच और तीन के योग से आठ आपका नामांक होता है। पाँच का स्वामी बुध एवं तीन का स्वामी बृहस्पति है। नामांक आठ का स्वामी शनि है। आपके नाम को इन तीनों ग्रहों के गुण अवगुण प्रभावित करेंगे। बुद्धि आपकी अच्छी होगी। आप हमेशा ऐसा रोजगार पसंद करेंगे, जिसमें कम मेहनत एवं धन अधिक प्राप्त हो। लेकिन कभी-कभी जल्दबाजी के कारण आपको हानियों का सामना करना पड़ेगा। आप एक अनुशासन प्रिय व्यक्ति होंगे। विचारधारा आपकी धार्मिक प्रकृति की होगी। धर्म एवं कर्म के क्षेत्र में आपको विशेष उपलब्धियां मिलेंगी। दूसरों की भलाई के कार्य आपके द्वारा अधिक होंगे। शनि प्रभाव से आप एक स्पष्ट वक्ता होंगे। आप स्वतन्त्रता पूर्वक कार्य करना पसंद करेंगे। कार्य में हस्तक्षेप से आप विचलित हो जाएंगे। जीवन के उत्तरार्ध में आप अच्छी ऊँचाइयाँ प्राप्त करेंगे।

आपके नाम का नामांक 8 है। आपके नामांक के आपके मूलांक 3 से शत्रु संबंध है एवं भाग्यांक 3 से भी शत्रु संबंध होने के कारण आपको मूलांक एवं भाग्यांक के शुभ फलों को प्राप्त करने में काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा। आपका नाम समाज के विभिन्न क्षेत्रों में आपकी महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप सफलता प्राप्त करने में असमर्थ रहेगा। कभी-कभी आपको जीवन के विभिन्न मोड़ों पर अपयश का सामना भी करना पड़ेगा। अतः आपके लिए आपके नाम में परिवर्तन करना आवश्यक हो जाता है। इस हेतु आपको चाहिए कि आप अपने नाम के अक्षरों में इस प्रकार से परिवर्तन करें कि आपका नाम बिगड़े भी नहीं और मूलांक तथा भाग्यांक के साथ सही तालमेल स्थापित हो जाए।

अपने नाम का अच्छा फल पाने के लिए आपको अपने नाम में परिवर्तन करना लाभप्रद रहेगा। आप ऐसे नाम का चुनाव कीजिये जोकि आपके मूलांक तथा भाग्यांक दोनों से ही मिलान करे तथा उसका नामांक 3 आता हो और 4 न हो तो ऐसा नाम आपकी रुकी हुई प्रगति के द्वार खोलेगा तथा आप पूर्ण रूपेण सांसारिक सफलताएं अर्जित करेंगे। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए 6,9 अंक शुभ रहेंगे तथा 8 अंक अहितकर होंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा

नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

1 2 3 4 5 8 3 5 1 1 2 3 4 5 7 8 1 2 3 4 6 6 6 5 1 7

उदाहरणार्थ:-

एक अंक घटना:-	GANESHA 3+1+5+5+3+5+1=23=5	GANESH 3+1+5+5+3+5=22=4
एक अंक :-	RAM 2+1+4=7	RAMA 2+1+4+1=8
दो अंक :-	BINDRA 2+1+5+4+2+1=15=6	BRINDRA 2+2+1+5+4+2+1=17=8
तीन अंक :-	RAMCHAND 2+1+4+3+5+1+5+4=25=7	RAMCHANDRA 2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28
चार अंक :-	KRISHNA 2+2+1+3+5+5+1=19=1	KRESHNA 2+2+5+3+5+5+1=23=5
पाँच अंक :-	TEWARI 4+5+6+1+2+1=19=1	TIWARI 4+1+6+1+2+1=15=6
छः अंक :-	AGGARWAL 1+3+3+1+2+6+1+3=20=2	AGARWAL 1+3+1+2+6+1+3=17=8

लोशु फल

		2
4	9	2
3 3 3	5	
3	5	7
	1 1	
8	1	6

लोशु चार्ट का परिचय

लोशु चार्ट चीनी अंक शास्त्र का एक अहम भाग है। यह चमत्कारी लक्ष्मी यन्त्र पर आधारित है। इस पद्धति के द्वारा हम किसी भी व्यक्ति की सिर्फ जन्मतिथि जानकर ही बड़ी सरलता व शीघ्रता से उसके संपूर्ण व्यक्तित्व को समझ लेते हैं। इस पद्धति के द्वारा हम उस व्यक्ति के चार्ट में अनुपस्थित अंकों के हानिकारक प्रभाव को दूर करने के उपाय भी बता सकते हैं। उपस्थित व अनुपस्थित अंकों की पक्तियां कालम व समूह व्यक्ति के विशेष व्यक्तित्व को बताने में सहायक होते हैं।

अंक 1 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में दो बार एक अंक की उपस्थिति होने से आप स्वयं को सुगमता व सहजता से व्यक्त कर पाते हैं, आप जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं, तथा परिस्थितियों का सही अध्ययन कर पाने में सक्षम होते हैं, आप अच्छे साथी, बुद्धिमान एवं आनंदवृत्ति वाले, सुखद एवं अच्छे स्वभाव वाले हैं, दूसरे व्यक्ति के विचारों को भी सुगमतापूर्वक समझ लेते हैं। आप किसी अन्य व्यक्ति की राय को समझने में भी सक्षम हैं। आप महत्वकांक्षी हैं आपको किसी भी प्रकार का प्रतिबंध पसंद नहीं है। नौकरी हो या व्यवसाय अपनी कड़ी मेहनत की बदौलत आप हमेशा उच्च शिखर पर पहुँचते हो, किसी भी कार्य को करने में आप निपुण हैं आप अपने जीवन को निष्पक्ष तरीके से देखते हैं। नौकरी करते हो या कोई व्यापार, लेकिन आप ऊँचे से ऊँचे पहुँच कर ही रहते हैं। आप अपने लक्ष्य के प्रति सदा सजग रहते हैं क्योंकि आपका लक्ष्य निश्चित

और निर्धारित होता है। निर्णय लेने में भी आप बहुत दक्ष हैं किसी भी विषय पर सोच-समझ कर निर्णय लेना आपका विशेष गुण है। आपका व्यक्तित्व और जीवन सदा स्वतंत्र रहता है, विचारों की मौलिकता आपकी एक विशेषता है। चार्ट में यह 1 के अंक की सर्वोत्तम संख्या मानी जाती है।

अंक 2 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में दो अंक एक बार उपस्थित हैं। जिस कारण आप संवेदनशील और अंतर ज्ञानी हैं, आप एक ही झलक में दूसरे व्यक्ति का सार निकाल लेने में प्रवीण हो, किन्तु दुर्भाग्य आपको शीघ्रता से आहत भी कर देता है, आप निष्ठाहीनता को ज्ञात करने की विलक्षण प्रतिभा के स्वामी हैं। आप शांत और संवेदनशील स्वभाव वाले हो, आपको अपनी बात किसी से कहते वक्त उसे ध्यान रखना होता है। कभी कभी बात ठीक ढंग से किसी से कह नहीं पाते हो। कोई भी बात आपको बहुत जल्दी चुभ जाती है। आप बहुत भावनात्मक हो। आप बड़े ही अंतर्मुख स्वभाव के होने से आपको भविष्य में घटने वाली घटनाओं के बारे में संकेत मिल जाते हैं। आपमें हिम्मत की कमी होती है, आप अपने दिमाग को किसी चीज पर केंद्रित नहीं कर पाते, कोई भी निर्णय जल्दी नहीं ले पाते, आप बड़े मूड़ी स्वभाव के होते हैं, बहुत जल्दी अपना स्वभाव बदल देते हैं, हसते हसते गंभीर हो जाते हैं।

अंक 3 - तीन बार

आपके लोशु चार्ट में तीन अंक तीन बार उपस्थित हैं। अतः आपकी स्मरणशक्ति तीव्र होती है, और आप कल्पनाओं के संसार में विचरण करते हैं। दूसरों के साथ मधुर सम्बन्ध स्थापित करने में आपको कठिनाई का अनुभव होता है। आप अपने ऊपर निर्भर और हमेशा दूरस्थ दिखाई पड़ते हैं। आप विलक्षण वैचारिक क्षमता के स्वामी हैं, किन्तु प्रायः अपने स्वप्नों के जगत में खोये रहते हैं। आप दूसरों की बात कठिनता से सुनते या मानते हैं, अपितु कभी-कभी कुतर्क व क्षुद्रता का प्रदर्शन भी कर देते हैं, जिससे कई बार बहस की स्थिति बनती है। काल्पनिक होने के कारण आप कई क्षेत्रों में असफल भी हो जाते हैं। आप अपनी मर्जी के मालिक एवं चीजों को सहजता से लेने वाले हैं। अनेक चीजों में ध्यान लगाने एवं अत्यधिक खर्चीला होने के कारण नुकसान एवं निराशा होती है, तथा अवसर हाथ से निकल जाते हैं। निम्न स्तर की बातें, डिंग हांकने की प्रवृत्ति आपको अलोकप्रिय बना सकती है, और अगर कोई इनका फायदा उठाने की कोशिश करता है तो आप उसे कभी क्षमा नहीं कर पाते।

अंक 4 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में चार का अंक अनुपस्थित है। अतः आप पूर्वनिर्धारित योजना के अनुसार कार्य नहीं कर पाते। कई बार आप अपने विचारों में उलझे रहते हैं और दिशाहीन हो जाते हैं। आपमें बहुधा व्यवस्था व प्रेरणा का अभाव होता है, जिसके फलस्वरूप आप तब तक प्रगति नहीं कर पाते जब तक अपने जीवन दर्शन को बदल नहीं देते। आपमें कल्पनाशीलता की कमी होती है, विचार अधिक दृढ़ एवं स्थाई होते हैं, बदलते नहीं हैं जिससे दूसरों को इनके साथ काम करने में परेशानी महसूस होती है। आपमें दिमाग, बुद्धि और अनुशासन की कमी होती है, आप वक्त

की उपयोगिता को नहीं समझ पाते। आप संयोजित नहीं होते, जिस कारण आपको जितनी सफलता मिलनी चाहिए उतनी नहीं मिल पाती। आवश्यकता इस बात की है कि आप सुव्यवस्थित होकर अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ें, इस अंक की अनुपस्थिति से आप अपने ज्ञान, सम्पर्क, परिवार के सदस्य तथा अपने कर्मचारियों से भी पूरा लाभ नहीं ले पाते। धीरता और सहनशीलता के गुणों के विकास से जीवन आपके लिए आसान बन जाता है।

अंक 5 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में पांच अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप भावनात्मक रूप से संतुलित हैं। आप दयालु, दूसरों के प्रति संवेदनशील व सहज प्रकृति के स्वामी हैं, दूसरों को प्रेरणा व प्रोत्साहन प्रदान करने में सक्षम होने के कारण आप संभावित सफलता से भी कुछ अधिक ही प्राप्त कर लेते हैं। आप तेज बुद्धि एवं दिमाग तथा योग्यता के कारण किसी भी काम को सफलतापूर्वक करने में सक्षम हैं। आप सामान्यतः अच्छी जिंदगी जीते हैं, आपको हर वैसे काम में दिलचस्वी होती है, जिसमें नयापन हो, आप अनेक प्रकार के व्यवसायों से धन अर्जित करने वाले, कुशाग्र बुद्धि, गणित विषय में निपुण और आपकी गणना करने की शक्ति तीव्र होती है। आप सभी विषयों को तार्किक दृष्टि से देखते हैं। वाणिज्य और कारोबार में भी आप सफल होते हैं। आप अच्छे वक्ता, संवाद और संचार के क्षेत्र में अद्भुत सफलता प्राप्त करते हैं।

अंक 6 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 6 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप स्वयं में आत्म-समर्पण की भावना उत्पन्न करें, आपमें अपनी अन्तर्भावनाओं को दूसरों से छिपाकर रखने की प्रवृत्ति होती है। इस प्रवृत्ति का कारण होता है, अपने माता अथवा पिता के साथ जीवन के प्रारम्भ में अच्छे सम्बन्ध, फलस्वरूप आपको तब तक अपने संबंधों में अनिश्चतता का सामना करना पड़ता है। जब तक कि आप हृदय से उन्मुक्त व उदार होना नहीं सीख लेते हैं। चिंता और तनाव आप लोगों के लिए विषमताओं के कारण हो सकते हैं। पारिवारिक जीवन में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, आपको पारिवारिक सहयोग मिलने में परेशानी आती है। आपका भी बच्चों और परिवार के प्रति लगाव कम होता है, आप लोगों की मदद तो करते हैं। लेकिन खुद के लिए मदद नहीं मिलती, दोस्तों की मदद नहीं मिलती, आपको भौतिक तथा पारिवारिक सुख व भोग विलास की कमी रहती है। आप जीवन के सकारात्मक पक्ष की अपेक्षा नकारात्मक पक्ष की ओर अधिक ध्यान देते हैं। आपको कभी भी विदेश से सम्बंधित काम नहीं करना चाहिए।

अंक 7 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में सात का अंक अनुपस्थित है। अतः आपको दूसरे लोगों की भावनाओं के प्रति अविवेक की प्रवृत्ति होती है। आप अपने दैनिक जीवन में अव्यवस्थित होते हैं। आपके कामों व पढ़ाई में रुकावट आती है। यह अंक मध्यम में होने के कारण सभी अंकों का आधार अंक है। आपकी आध्यात्मिक अथवा आत्मज्ञान सम्बन्धी बातों में कोई अभिरुचि नहीं होती। आत्मविश्वास की कमी के कारण आप एकांकी रहना भी पसंद नहीं करते, अत्यधिक स्वतंत्रता, तर्क तथा सहृदयता की कमी आपको अलोकप्रिय बना सकती है। आर्थिक संकट का सामना भी

करना पड़ता है। कई बार खुद की कार्य क्षमता में संदेह होने लगता है, कि क्या यह मैं कर पाउंगा या नहीं। आपको पेट के रोग, सिरदर्द, रक्त विकार व फेफड़े सम्बन्धी रोग की संभावना रहती है। आवश्यकता इस बात की है, कि आप अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करना व दूसरों के साथ घुलमिल कर रहना सीखें।

अंक 8 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 8 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप अपने वित्तीय प्रबंधन में कुशल नहीं होते, आप या तो बिलकुल ही लापरवाह होते हैं, अथवा दूसरों के प्रति ज्यादा विश्वस्त होते हैं। फलस्वरूप रुपये-पैसे के मामलों में कष्ट प्राप्त करते हैं, आपमें निर्णय शक्ति की कमी व भौतिक साधनों का अभाव रहता है। लक्ष्य-निर्धारण की भी कमी होती है, और कार्य को हाथ में लेकर अधूरा छोड़ने की प्रवृत्ति भी, आपको प्राकृतिक जल्दबाजी को नियंत्रण करने, और अभिनय से पहले सोचने के लिए सिखने की जरूरत है। आप अनुशासित नहीं होते हैं, आप अपने पैसों का हिसाब नहीं रख पाते, जैसे कितना कमाया, कितना लगा और क्या बचा है। आप अधिक मेहनत करने में विश्वास नहीं रखते, आपकी अत्यधिक महत्वाकांक्षा एवं भौतिकवादी सोच आपके लिए तनाव एवं अवसाद का कारण बनती है। आपमें जल्दी स्थिरता नहीं आती, और जीवन में जल्दी से पैसा कमाना चाहते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि आप अपनी इस स्वेच्छा की प्रवृत्ति का त्याग करें, और कुछ करने से पूर्व विचार करने की आदत का विकास करें।

अंक 9 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 9 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप दूसरों की भावनाओं तथा आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने की प्रवृत्ति रखते हैं। आप उचाट प्रकृति के होते हैं, और दूसरों के जीवन में क्या घटित हो रहा है। इसके प्रति उदासीन रहते हैं। अति उत्साह में आप उद्देश्य से भटक जाते हैं। असुरक्षा की भावना के कारण आप निर्णय और न्याय के प्रति संदेहास्पद हो जाते हैं। आप दूसरों की भावनाओं की कदर नहीं करते, मानव कल्याण के बारे में नहीं सोचते, आपमें शौर्य की कमी रहती है। जीवन में संघर्ष अधिक करना पड़ता है व सुख साधन असानी से प्राप्त नहीं होते। आप बहुधा अपनी कल्पनाओं के जगत में ही विचरण करते हैं। आपको बचपन में विद्यार्जन में अनेक कठिनाइयां आती हैं। जो आपके जीवन को संघर्षमय बना देती है। आपको खुद को सेवा में लगाने और सच्चे मानवतावादी बनने के लिए सिखने की जरूरत है। आवश्यकता इस बात की है, कि आप स्वयं में समर्पण की भावना तथा दयालुता के गुणों को विकसित करें।

जल तत्त्व - अंक 1

आपके लोशु चार्ट में जल तत्त्व की उपस्थिति है। जल बुद्धि और ज्ञान का प्रतिनिधित्व करता है, जल लचीला है फिर भी मजबूत है, अभी भी बह रहा है। 1, अंक सूर्य से सम्बंधित है, जल शांत है फिर भी खतरनाक है। जल के लिए सतह केवल शुरुआत है, इसकी गहराई में छिपे वास्तविक चाल के साथ, जल तत्त्व वाले वे नहीं हैं, हालांकि आप अपनी खुद की कंपनी और आंतरिक प्रतिबिम्ब के लिए समय का आनंद लेते हैं। आप अक्षर शांत और शांति पूर्ण होते हैं, लेकिन

दूसरों को अभिभूत करने की एक बड़ी क्षमता होती है, आप निडर, साहसी व स्वाभिमानी भी होते हैं। नौकरी हो या व्यवसाय अपनी कड़ी मेहनत की बदौलत आप हमेशा उच्च शिखर पर पहुँचते हो, किसी भी कार्य को करने में आप निपुण हैं आप अपने जीवन को निष्पक्ष तरीके से देखते हैं।

खूबियां- आप राजनैतिक कार्यों में कुशल, परिवार, समाज, राष्ट्र आदि सभी का नेतृत्व करने की आपें क्षमता होती है। तेज़ नज़र, सहानुभूति और अच्छे मध्यस्थ, दृढ़, सहज और लचीला, कोमल लेकिन मजबूत, और आप दूरदर्शिता के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां - स्व कृपालु, बहुत निष्क्रिय, दूसरों पर बहुत ज्यादा भरोसा करना, दुविधा में पड़े रहना, चिंतित रहना आदि अवगुण होते हैं।

पृथ्वी तत्त्व - अंक 2, 5, 8

आपके लोशु चार्ट में पृथ्वी तत्त्व की उपस्थिति है। पृथ्वी स्थिर और मध्यस्थ होती है। यह एक प्राकृतिक जन्म शांति रक्षक होता है। पृथ्वी धैर्यवान, विचारशील और शांत होती है। जबकि पृथ्वी गर्म और पोषित होती है, यह आसानी से स्व-केंद्रित भी हो सकती है क्योंकि यह मानती है कि यह सब कुछ का केंद्र है। पृथ्वी सुरक्षात्मक है और वे उन जड़ों का प्रतिनिधित्व करती हैं। जो सब कुछ एक साथ रखती हैं, हालांकि, यह भी नियंत्रित हो सकती है। इस तत्त्व के लोग सहानुभूति की एक बड़ी मात्रा में होते हैं और खुद को लगातार दूसरों की खुशी के बारे में चिंतित पाते हैं। 2 अंक चन्द्रमा का है, 5 अंक बुध का और 8 अंक शनि से सम्बंधित है, ऐसे व्यक्ति धनाढ्य होते हैं, इनका अपना जमीन से जुड़ा हुआ मकान होता है।

खूबियां - ऐसे लोग स्थिर प्रवृत्ति के, गंभीर, व्यावहारिक, तार्किक, अनुकंपा, देखभाल, सहानुभूति, उत्तरदायी, वफादार होते हैं और ईमानदार, पोषण, संगठित व योजना बनाने में अच्छे, मजबूत और स्थायी होते हैं।

कमजोरियां - अतिसंरक्षित, जिद्दी, जन्मजात कंजूस, रुढ़िवादी, जोखिम लेने में परेशानी होती है।

काष्ठ तत्त्व - अंक 3, 4

आपके लोशु चार्ट में काष्ठ तत्त्व की उपस्थिति है। काष्ठ उदार और विशाल होती है और दूसरों की गहराई से देखभाल करती है। बांस के साथ, काष्ठमजबूत होती है। फिर भी लचीली होती है और एक प्राकृतिक जन्म से नेता भी है। इसकी जड़ें पृथ्वी में गहरी खुदाई करती हैं, हालांकि, काष्ठ को जीवित रहने के लिए नमी की भी आवश्यकता होती है। काष्ठ की विशेषताएं अक्सर कामुकता और धैर्य से जुड़ी होती हैं। हालांकि, इसे संतुलित करने के लिए, काष्ठ घुसपैठ और आक्रामक भी हो सकता है। 3, अंक गुरु से और 4 अंक राहु से सम्बंधित है। ऐसे व्यक्ति लगातार विस्तार और आगे बढ़ने की तलाश में होते हैं। जटिल से जटिल कार्य को करने में सक्षम होते हैं। अपने काम को आसानी से निकाल लेते हैं।

खूबियां- यह काफी चतुर होते हैं, इनमें अच्छी समझ, गर्म, मिलनसार, दयालु, लचीला और अनुकूलनीय, स्थिर और व्यावहारिक, उदार होते हैं।

कमजोरियां - सीमाओं या सीमाओं की अच्छी समझ नहीं है, बहुत ज्यादा निष्क्रिय हो जाते हैं, दूसरों पर बहुत अधिक भरोसा कर लेते हैं।

धातु तत्व अंक - 6, 7 की अनुपस्थिति

आपके लोशु चार्ट में धातु तत्व की अनुपस्थिति है। अतः आप न तो किसी के अनुचित दबाव में रह सकते हैं और न कोई इनके विचारों पर हावी हो सकता है। आप स्वतंत्र निर्णय लेने वाले होते हैं। अनेक योजनाएं बनाते हैं। लेकिन उनको कार्यरूप नहीं दे पाते। विद्या प्राप्ति में भी कई बाधाएं आती हैं। सम्पत्ति एवं धन झगड़ों का सामना करना पड़ता है। आपमें ईर्ष्या की भावना दूसरों की अपेक्षा अधिक होती है। इनका झुकाव 2, 3, 4, 6, 9, अंक के स्त्री- पुरुषों की और अधिक होता है। इसमें 6, अंक शुक्र और 7, अंक केतु से सम्बंधित है। ये दोनों अंक धातु तत्व को दर्शाते हैं। इन दोनों अंकों की अनुपस्थिति सुखों में कमी लाने वाली है।

अग्नि तत्व अंक - 9 की अनुपस्थिति

आपके लोशु चार्ट में अग्नि तत्व की अनुपस्थिति है। अतः आपका जीवन संघर्षमय होता है। आपके स्वभाव के कारण आपके बहुत से शत्रु बन जाते हैं। भाई बहनों का कम सुख मिलता है। जीवन में आपके घर में चोरी और आग की दुर्घटना होने की सम्भावना रहती है। आपमें निर्णय लेने की क्षमता अच्छी होती है। लेकिन निर्णय बहुत जल्दवाजी में लेते हैं जिस कारण इन्हें बहुत सी परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है। अति उत्साह में आप उद्देश्य से भटक जाते हैं। असुरक्षा की भावना के कारण आप निर्णय और न्याय के प्रति संदेहास्पद हो जाते हैं। जीवन में संघर्ष अधिक करना पड़ता है व सुख साधन असानी से प्राप्त नहीं होते। आप बहुधा अपनी कल्पनाओं के जगत में ही विचरण करते हैं।

अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

सूर्य 21 नवंबर से 20 दिसंबर तक धनु राशि में एवं 19 फरवरी से 20 मार्च तक मीन राशि में तथा 21 जून से 20 जुलाई तक कर्क राशि में पाश्चात्य मत से रहता है। भारतीय मत से यह 15 दिसंबर से 13 जनवरी तक धनु में एवं 14 मार्च से 12 अप्रैल तक मीन राशि में तथा 16 जुलाई से 16 अगस्त तक कर्क राशि में रहता है। धनु एवं मीन राशियां गुरु का स्वस्थान अथवा अपना घर है। कर्क राशि गुरु का उच्च स्थान है। अतः उपर्युक्त समय में मूलांक तीन प्रभावियों के लिए सबसे अधिक प्रभावकारी एवं लाभप्रद समय रहता है। इस काल में कोई भी नया कार्य, महत्वपूर्ण कार्य इत्यादि करना आपके लिए विशेष योगकारक रहेगा।

अनुकूल दिवस

गुरुवार, शुक्रवार, मंगलवार के दिन आपके लिए विशेष शुभ फलदायक रहेंगे। यदि आपकी अनुकूल तारीखों में से ही किसी तारीख को गुरुवार, शुक्रवार, मंगलवार पड़ रहा हो तो ऐसा दिन आपके लिए अधिक अनुकूल तथा श्रेष्ठ फलदायक होगा।

शुभ तारीखें

किसी भी अंग्रेजी माह की 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 तारीखें किसी भी नये कार्य को प्रारंभ करने, महत्वपूर्ण या विशिष्ट व्यक्तियों से मिलने, पत्र इत्यादि लिखने हेतु शुभ रहेंगी। अतः यदि आप उपर्युक्त तारीखों में कोई भी महत्वपूर्ण कार्य करती हैं तो शीघ्र सफलता मिलेगी।

अशुभ तारीखें

आपको किसी भी अंग्रेजी माह की 4, 8, 13, 17, 22, 26 एवं 31 तारीखें प्रतिकूल हो सकती हैं। अतः कोई भी नया कार्य, महत्वपूर्ण कार्य, उपर्युक्त तारीखों में संपन्न करना आपके लिए अहितकर रहेगा।

मित्रता या साझेदारी

आप ऐसे व्यक्तियों से मित्रता या साझेदारी स्थापित करें, जिनका जन्म 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 तारीखों में, अथवा 15 दिसंबर से 13 जनवरी, 13 मार्च से 13 अप्रैल एवं 16 जुलाई से 16 अगस्त के बीच हुआ हो। ऐसे व्यक्ति आपके लिए अनुकूल सहयोगी तथा विश्वासपात्र सिद्ध होंगे। इस प्रकार के व्यक्तियों से आपकी मित्रता स्थायी एवं दीर्घ रहेगी तथा वे रोजगार, व्यवसाय, साझेदारी आदि में सहायक रहेंगे।

प्रेम संबंध एवं विवाह

आपको विवाह या प्रेम संबंध स्थापित करते समय यह देखना लाभप्रद रहेगा कि उस महिला का मूलांक 3,6 या 9 हो अथवा ऐसी महिला का जन्म किसी भी अंग्रेजी मास की

3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 या 30 तारीख को हुआ हो। इन दिनांकों में जन्मी स्त्रियां आपके लिए विशेष फलदायी और अच्छा साथ निभाने वाली रहेंगी।

अनुकूल रंग

आपके लिए अनुकूल रंग हल्का गुलाबी, चमकीला गुलाबी है। गुलाबी भी पूरा गुलाबी नहीं, बल्कि हल्का गुलाबी होना चाहिए। अतः आप ड्रॉइंग रूम के पर्दे, चादर, तकिये, बिछावन आदि इसी रंग के लें। हो सके तो इस रंग का रुमाल तो हर समय रखें। स्वास्थ्य की क्षीणता के समय भी आप हो सके तो इसी रंग के वस्त्र पहनें, जिससे आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

वास्तु एवं निवास

आपके लिए ऐसे मकान में रहना शुभ रहेगा जिसका मूलांक या नामांक 3 हो। ईशान कोण दिशा आपके लिए हमेशा शुभ रहेगी। अतः आप शहर की ईशान कोण दिशा में अपना निवास बना सकते हैं। इस दिशा में रोजगार-व्यापार संबंधी कार्य करना शुभ रहेगा। पहनने के वस्त्रों का चुनाव करते समय भूरा, पीला, सुनहरी रंगों के होने से आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा और यदि आप दीवारें, पर्दे, फर्नीचर का रंग भी ऐसा ही रखें तो आपके पारिवारिक वातावरण में खुशहाली आएगी।

शुभ वाहन नं

अगर आप यात्रा के दौरान कमरा इत्यादि बुक करवाते हैं, तो आपको चाहिए की कमरे का नंबर आपके मूलांक या मूलांक के मित्र अंक से मेल करने वाले अंकों का रहे। आपका मूलांक 3 है। मूलांक के मित्र अंक 6, 9 रहेंगे। आपके कमरे का नंबर 102= 3 इत्यादि होना चाहिए और यदि आप वाहन आदि का पंजीकरण इत्यादि करवाते हैं, तब उसके लिए भी शुभ अंक 5232 =3 रहेंगे। आपके लिए यही अंक यात्रा के वाहन के रहेंगे, तो आपकी यात्रा सुखमय कहलाएगी।

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आएगी तब आपको चर्म रोग, दाद, खाज, खुजली, प्रमेह, ज़हरवाद, पित्त प्रकोप, शूल रोग, स्नायु निर्बलता, मानसिक उद्वेग, गुप्तेंद्रिय शैथिल्य, भोग के प्रति अरुचि, रक्त दोष जैसे रोग होंगे। रोग अशुभता कष्ट और विपत्ति के समय आपको विष्णु उपासना, पूर्णिमा व्रत, सत्यनारायण व्रत कथा श्रवण करना चाहिए।

व्यवसाय

वस्त्र उद्योग, ढाबे, रेस्टोरेंट, होटल, पान की दुकान, अध्यापन, उपदेशक, व्याख्याता, प्राध्यापक, राजदूत, मंत्री, कानून के सलाहकार, वकील, न्यायाधीश, सचिव, दूत कार्य, क्लर्क, चिकित्सा कार्य, बैंकिंग के कार्य, दलाल, आदत, विज्ञापनकर्ता, अभिनेता, सेल्समैन, टाइपिस्ट, स्टेनो, जल जहाज में कार्यकर्ता, पुलिस विभाग, दर्शनशास्त्री, प्रबंधक एवं जलीय व्यापार।

व्रतोपवास

बृहस्पतिवार को बृहस्पति अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। बृहस्पतिवार को पीले वस्त्र धारण कर व्रत करें। पीला भोजन ग्रहण करें एवं पीले पदार्थों का दान करें। यह व्रत तीन वर्ष, एक वर्ष या सोलह बृहस्पतिवारों को करें। यथाशक्ति पुत्रजीवी की माला पर गुरु मंत्र का जप करें।

अनुकूल रत्न या उपरत्न

पुखराज आपके लिए मुख्य रत्न है। यदि पुखराज न मिले तब आप सुनेला, टाईगर आई, पीला हकीक धारण कर सकते हैं। इसे आप सोने की अंगूठी में चार से पांच रत्ती का बनवा कर दायें हाथ की तर्जनी उंगली को स्पर्श करता हुआ धारण करें।

अनुकूल देवता

आप बृहस्पति ग्रह की उपासना करें अथवा विष्णु भगवान की आराधना करें। भगवान विष्णु के द्वादशाक्षरी मंत्र "ओम् नमो भगवते वासुदेवाय" का नित्य जप करें। प्रतिदिन कम से कम एक सौ आठ मंत्र का जप करें तथा पूर्णमासी के दिन सत्यनारायण कथा का श्रवण करेंगे तो इस क्रिया को करने पर आप विभिन्न रोगों और समस्याओं से मुक्त होंगे। यदि यह संभव न हो सके तो भगवान विष्णु के चित्र का ही नित्य प्रातः दर्शन कर लिया करें।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए गुरु के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु गुरु के गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

गुरु गायत्री मंत्र - ॐ अंगिरसाय विद्महे दिव्यदेहाय धीमहि तन्नो जीवः प्रचोदयात् ॥

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप गुरु का ध्यान करें, मन में गुरु की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें।

देवानां च ऋषीणां च गुरुं कांचनसन्निभम् ।
बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम् ॥

ग्रह जप मंत्र

अशुभ गुरु को अनुकूल बनाने हेतु गुरु के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान एक सौ आठ माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ ग्राँ ग्रीं ग्रीँ सः गुरवे नमः ॥ जप संख्या 10000 ॥

वनस्पति धारण

आप गुरुवार के दिन एक इंच लंबी नारंगी या केले की जड़ ला कर, पीले धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधे या स्वर्ण या पीतल के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे गुरु ग्रह के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आपके लिए प्रत्येक गुरुवार को एक बाल्टी या बर्तन में मुलेठी, सफेद सरसों तथा मालती के फूल आदि औषधियों का चूर्ण कर पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ गुरु के प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आप कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध इन सबको मिला कर, चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

गुरु की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को गुरु के पदार्थ, पीला वस्त्र, सोना, हल्दी, घृत, पीले पुष्प, पीला अन्न, पुखराज, अश्व, पुस्तक, मधु, लवण, शर्करा, भूमि, छत्र आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

गुरु को अनुकूल बनाये रखने हेतु गुरु यंत्र को भोज पत्र पर अष्ट गंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में गुरुवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।